तीन वर्षीय स्नातक/ चार वर्षीय हिंदी स्नातक (प्रतिष्ठा)/ शोध के साथ चार वर्षीय हिंदी स्नातक (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम

2023-24 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

हिन्दी विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

रोनो हिल्स, दोइमुख, ईटानगर

तीन वर्षीय स्नातक/ चार वर्षीय हिंदी स्नातक (प्रतिष्ठा)/ शोध के साथ चार वर्षीय हिंदी स्नातक (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम

सत्र पद्धति

वर्ष 2023-24 से प्रभावी

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

प्रस्तावना

हिंदी साहित्य के तीन वर्षीय स्नातक, चार वर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा तथा चार वर्षीय स्नातक शोध के साथ प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु गठित पाठ्यक्रम निर्माण समिति (BOS) इस रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रही है। पाठ्यक्रम निर्माण समिति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया है।

इस सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गई है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिंदी साहित्य के विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि साहित्य का विश्लेषण कैसे किया जाए, उसकी समीक्षा कैसे की जाए और दिए गए पाठ को पढ़ने की समझ किस प्रकार विकसित की जाए ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली-भाँति परिचित हो सके। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत स्नातक सप्तम सत्र में शोध प्रविधि एवं सिद्धांत पढ़ाये जायेंगे। अष्टम सत्र में एक निश्चित अंक पाने वाले विद्यार्थियों को लघु शोध प्रबंध कराया जायेगा। षष्ठ सत्र तक के प्राप्तांक/ अर्जित क्रेडिट के आधार पर शोध करने की अर्हता तय होगी। लघु शोध प्रबंध लिखने हेतु अर्हता अंक सभी विभागों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा तय की जाएगी। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थी को भविष्य में पी एच. डी. की उपाधि हेतु शोध करने में सहायता मिलेगी।

इस पाठ्यक्रम के निर्माण के दौरान क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संदर्भों के अनुरूप विकल्प रखे गए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में लेखकों का कालखण्ड, विषय-वस्तु और विधागत विभाजन तथा शोध प्रविधि के समायोजन आदि के द्वारा पाठ्यक्रम को सर्वसमावेशी बनाया गया है।

भारत विविधताओं से भरा देश है और ये विविधताएँ भाषागत भी हैं। यहाँ तक कि मानक हिंदी भाषा के अंतर्गत अनेक बोलियाँ भी सम्मिलित हैं जिनका साहित्य भी हिंदी भाषा को समृद्ध कर रहा है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा निर्मित की गई है। इस पाठ्यक्रम में भारतीय साहित्य पेपर के अंतर्गत अन्य भारतीय भाषाओं में रचित साहित्य को भी सम्मिलित किया गया है। इस पाठ्यक्रम में अरुणाचली लोक साहित्य का भी एक पत्र रखा गया है। अरुणाचली लोक साहित्य के अंतर्गत प्रदेश की बोलियों में प्राप्त लोक साहित्य के विविध रूपों का अध्ययन किया जायेगा। साथ ही इस दिशा में शोध की संभावनाओं को भी तलाशने का प्रयास किया जायेगा। लघु शोध प्रबंध तैयार करते-करवाते समय अरुणाचल की बोलियों एवं उनमें प्राप्त लोक साहित्य पर अधिक ध्यान दिया जायेगा।

यह पाठ्यक्रम रोजगारपरक शिक्षा देने का कार्य भी करेगा ताकि इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी अपने जीवन का निर्वाह भी भली-भाँति कर सकें। इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अंतर्गत तैयार इस पाठ्यक्रम को नवाचार की दृष्टि से लागू किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम का अध्ययन समाज के लिए अति लाभकारी सिद्ध होगा।

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

अतः सभी महाविद्यालयों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इन पाठ्यक्रमों को लागू करने में अपनी रुचि दिखाएँ और प्रोत्साहन दें ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अंतर्गत निर्मित पाठ्यक्रम संरचना के निर्माण की सार्थकता सिद्ध हो सके।

तीन वर्षीय स्नातक, चार वर्षीय हिंदी स्नातक (प्रतिष्ठा) तथा शोध के साथ चार वर्षीय हिंदी स्नातक (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम का संक्षिप्त परिचय

हिन्दी स्नातक कला (प्रतिष्ठा) 4 (चार) वर्षों की स्नातक की डिग्री है, जिसमें 8 (आठ) सत्र शामिल है इसके प्रत्येक सत्र में प्रतिष्ठा के पत्र होंगे। पाठ्यक्रम में विविध और अंतर्दृष्टि-उन्मुख पत्रों को सम्मिलित किया गया है जिसमें 24 (चौबीस) प्रतिष्ठा के पत्र, माइनर के 8 (आठ) पत्र, अंतर अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम (Multidisciplinary Course) के 3 (तीन) पत्र, 2 (दो) योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम (Ability Enhancement Course) के 2 (दो) पत्र, 2 (दो) कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course) के दो पत्र और मूल्य परक पाठ्यक्रम (Value-Added Course) के 3 (तीन) पत्र शामिल हैं। 4 (चार) क्रेडिट वाले प्रत्येक पत्र को चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक पत्र के लिए 100 (सौ) अंक निर्धारित हैं जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के लिए 20 (बीस) अंक और सत्रांत परीक्षा के लिए 80 (अस्सी) अंक निर्धारित हैं। 3 (तीन) क्रेडिट वाले प्रत्येक पत्र को तीन इकाइयों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक पत्र के लिए 80 (अस्सी) अंक निर्धारित हैं जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के लिए 20 (बीस) अंक और सत्रांत परीक्षा के लिए 60 (साठ) अंक निर्धारित हैं। इसी प्रकार 2 (दो) क्रेडिट वाले प्रत्येक पत्र को दो इकाइयों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक पत्र के लिए 50 (पचास) अंक निर्धारित हैं जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के लिए 10 (दस) अंक और सत्रांत परीक्षा के लिए 40 (चालीस) अंक निर्धारित हैं। हिंदी प्रतिष्ठा के विद्यार्थी, हिंदी सामान्य (माइनर), अंतर अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम (Multidisciplinary Course) तथा मूल्य परक पाठ्यक्रम (Value-Added Course) आदि पत्रों को अन्य विभागों में पढ़ेंगे। उक्त पत्रों का चयन विद्यार्थी विश्वविद्यालय अथवा सम्बंधित महाविद्यालय द्वारा निश्चित पत्र समूह (Subject Pool) में से करेंगे।

इस पाठ्यक्रम में बहु प्रवेश एवं निकास का प्रावधान रहेगा, जो इस प्रकार है-

1. प्रथम एवं द्वितीय सत्र में 40 क्रेडिट अंक प्राप्त करने वाला कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे उक्त विषय में स्नातक प्रमाण पत्र की उपाधि दी जाएगी, बशर्ते उसे इन दो सत्रों में संचालित कौशल आधारित पाठ्यक्रम के 6 क्रेडिट के अतिरिक्त व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4 क्रेडिट वाला प्रशिक्षण / समर टर्म पूरा करना होगा।

2. चतुर्थ सत्र के समाप्त होने के पश्चात 80 क्रेडिट अंक प्राप्त करने वाला कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे उक्त विषय में स्नातक डिप्लोमा की उपाधि दी जाएगी, बशर्ते उसे इन दो वर्षों में व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4 क्रेडिट वाला प्रशिक्षण / समर टर्म को पूरा करना होगा।

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

3. षष्ठ सत्र अथवा तीन वर्ष की पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात 120 क्रेडिट अर्जित करने वाला कोई छात्र यदि पाठ्यक्रम से निकल जाना चाहे तो उसे स्नातक (सामान्य) की उपाधि प्रदान की जायेगी बशर्ते उसे इन दो वर्षों में व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4 क्रेडिट वाला प्रशिक्षण / समर टर्म को पूरा करना होगा।

4. चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले छात्रों को ही हिंदी में प्रतिष्ठा (आनर्स) की उपाधि प्रदान की जाएगी। इस पाठ्यक्रम के चतुर्थ वर्ष अर्थात सप्तम एवं अष्टम सत्र का पाठ्यक्रम दो प्रकार के होंगे:-

क. अष्टम सत्र में हिंदी प्रतिष्ठा के पाठ्यक्रम को पढ़ने वाले छात्रों को हिंदी स्नातक प्रतिष्ठा की उपाधि प्रदान की जाएगी। ऐसे छात्र यदि स्नातकोत्तर में प्रवेश लेना चाहे तो वे सीधे परास्नातक के तृतीय सत्र में प्रवेश पा सकते हैं, बशर्ते वे इस पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अपेक्षित क्रेडिट अर्जित कर पाये हों।

ख. हिंदी प्रतिष्ठा पत्रों के साथ षष्ठ सत्र में 75% अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थी ही शोध कार्यक्रम में प्रवेश पा सकेंगे। अष्टम सत्र में शोध पाठ्यक्रमों को पढ़ने वाले छात्रों को शोध के साथ स्नातक प्रतिष्ठा की उपाधि प्रदान की जाएगी। शोध के साथ स्नातक प्रतिष्ठा की उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए दिशानिर्देशों और प्रवेश परीक्षा के नियमों के अंतर्गत विश्वविद्यालय में पी एच. डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश पा सकते हैं, बशर्ते उसे इस पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अपेक्षित क्रेडिट अर्जित करना होगा।

विश्वविद्यालय के नवीनतम दिशानिर्देशों तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अंतर्गत तैयार तीन वर्षीय स्नातक, चार वर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा तथा चार वर्षीय स्नातक शोध के साथ प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम में वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए प्रतिष्ठा (मेजर), अंतर अनुशासनात्मक विषय और अन्य पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन ई पी) 2020 में परिकल्पित अनिवार्य अनुसंधान परियोजना को शामिल करना पाठ्यक्रम का नवीनतम आकर्षण है। पाठ्यक्रमों के क्रम को अच्छी तरह से सोचा गया है ताकि उनमे अंतर्दृष्टि का निर्माण किया जा सके साथ ही विद्यार्थियों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को सुनिश्चित किया जा सके। हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा के छात्रों को सप्तम तथा अष्टम सत्रों में विभाग द्वारा संचालित हिंदी प्रतिष्ठा पत्रों/ लघु शोध प्रबंध में से उनकी अर्हता के अनुसार पत्रों का चयन करना होगा।

तीन वर्षीय स्नातक, चार वर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा तथा चार वर्षीय स्नातक शोध के साथ प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम के उद्देश्य और हिन्दी सीखने के परिणाम

हिन्दी साहित्य के चार वर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम का निर्माण नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मूल संकल्पना को ध्यान में रखकर किया गया है। इस नयी शिक्षा पद्धति के नवीन पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों में हिन्दी भाषा और साहित्य के प्रति अभिरुचि जागृत होगी। इस पाठ्यक्रम में ऐसे कई अंतर अनुशासनात्मक एवं ऐच्छिक विषयों को शामिल किया गया है जिनसे छात्रों को रोजगार प्राप्ति के अनेक अवसर सुलभ होंगे। इस पाठ्यक्रम में

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय सन्दर्भों के सम्मिलित होने से देश की एकता और अखंडता बलवती होगी। इससे छात्रों में शिक्षा के साथ राष्ट्रीयता की भावना और प्रखर होगी।

सत्र	कार्यक्रम का उद्देश्य	कार्यक्रम की उपलब्धियाँ
प्रथम सत्र	**1.** प्रथम प्रतिष्ठा पत्र में आदिकाल से भक्तिकाल (इतिहास एवं रचनाएँ) के अंतर्गत छात्र हिंदी साहित्य के आदिकाल और भक्तिकाल की ऐतिहासिक परिदृश्य का परिचय प्राप्त कर पाएंगे। साथ ही इन दोनों काल के प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं का भी व्याख्या-विश्लेषण कर पायेंगे। **2.** हिंदी माइनर के छात्र सामान्य हिंदी के अंतर्गत हिंदी साहित्य का इतिहास का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे साथ ही हिंदी कविता, कहानी एवं व्याकरण से भी परिचित हो सकेंगे। **3.** अंतर अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम (Multidisciplinary Course) में राष्ट्रीय चेतना की कविता पत्र के अध्ययन से विद्याथियों में राष्ट्रीय चेतना एवं राष्ट्र भावना दृढ़ होगी। **4.** योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम (Ability Enhancement Course) के अंतर्गत लेखन कौशल पत्र के द्वारा विद्यार्थी व्यावहारिक लेखन एवं सृजनात्मक लेखन के विविध पक्षों से परिचित हो सकेंगे। **5.** कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course) के अंतर्गत हिंदी शिक्षण पत्र के अध्ययन के द्वारा छात्र हिंदी के कार्यालयी प्रयोग में दक्ष हो सकेंगे तथा हिंदी के भाषा-ज्ञान से रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।	**1.** प्रथम सत्र में प्रतिष्ठा प्रथम पत्र के अंतर्गत छात्र हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की प्रमुख समस्याओं, आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य की जानकारी प्राप्त कर लिए और चंदबरदाई, अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास और तुलसीदास की प्रतिनिधि रचनाओं से परिचित हो लिए। **2.** इस पत्र के अध्ययन के द्वारा हिंदी प्रथम सत्र (माइनर) के विद्यार्थी साहित्य इतिहास के विकास क्रम से परिचित हुए। इस पत्र में विद्यार्थी हिंदी के प्रमुख कवियों की रचनाओं का अध्ययन किए। इसके साथ ही कुछ प्रमुख कहानियों का भी अध्ययन किए। हिंदीतर विषय के छात्र व्याकरण के अध्ययन से भाषा सम्बन्धी त्रुटियों को दूर कर पाए। **3.** इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र हिन्दी राष्ट्रीय चेतना की कविता के विविध पहलुओं से अवगत हुए और राष्ट्रीय चेतना की कविता लिखने वाले प्रतिनिधि कवियों की प्रमुख कविताओं का अनुशीलन कर अपने ज्ञान की वृद्धि किए। **4.** इस पत्र द्वारा विद्यार्थी अपने भावों को विचार में रखने तथा उसे लेखन के बहुविध रूपों में प्रस्तुत करना सीख पाए। इस पत्र के द्वारा विद्यार्थियों हिन्दी लेखन के महत्त्वपूर्ण पक्षों से अवगत हुए तथा हिन्दी लेखन सम्बन्धी व्यावहारिक अभ्यास किए। **5.** हिंदी शिक्षण से सम्बन्धित इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी भाषा के व्यावहारिक स्वरूप तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र के लेखन से जुड़ी बहुविध जानकारियों से परिचित हुए। हिन्दी भाषा की बढ़ती लोकप्रियता और बढ़ते अन्तरराष्ट्रीय महत्त्व के सन्दर्भ में हिन्दी भाषा आधारित कौशल विकास से विद्यार्थी अवगत हो पाए।

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

द्वितीय सत्र	**1.** विद्यार्थियों को भारतवर्ष की 17वीं से 19वीं शताब्दी के मध्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान होगा। विद्यार्थी इस काल के साहित्यकारों एवं उनकी रचनाओं से परिचित हो सकेंगे। **2.** विद्यार्थियों को भारतवर्ष की 17वीं से 19वीं शताब्दी के मध्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान होगा। विद्यार्थी इस काल के साहित्यकारों एवं उनकी रचनाओं से परिचित हो सकेंगे। **3.** यह प्रश्न पत्र द्वितीय सत्र में हिन्दी सामान्य के परीक्षार्थियों के लिए है। यह पत्र चार इकाइयों में विभक्त है। इस प्रश्नपत्र में परीक्षार्थियों से गद्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी अपेक्षित है। इस पत्र में उपन्यास, नाटक तथा एकांकी अध्ययन हेतु रखा गया है। **4.** इस पाठ में साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध को समझा जा सकेगा। हिंदी सिनेमा के इतिहास से विद्यार्थी परिचित होंगे। हिंदी सिनेमा के विकास में हिंदी साहित्य के योगदान को रेखांकित किया जाएगा। विद्यार्थी सिनेमा की कला और हिंदी साहित्य में निहित कलात्मक तत्वों की पहचान कर सकेंगे। पटकथा लेखन और फिल्म निर्माण की कला के बारे में जान सकेंगे। विद्यार्थी अपने अर्जित ज्ञान का उपयोग निर्माता, लेखक और अभिनेता बनने में कर सकेंगे। **5.** इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में प्रकृति और परिवेश को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी। इस पाठ के द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार आएगा और उनकी कल्पनाशक्ति विकसित होगी। कला, साहित्य,विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में मौलिक उपस्थापना करने में सक्षम हो सकेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आयामों का उद्घाटन कर सकेंगे।	**1.** इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र रीतिकालीन हिन्दी साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर लिए। केशव, मतिराम, सेनापित, बिहारी, घनानन्द और भूषण जैसे प्रमुख रीतिकालीन कवियों की प्रतिनिधि काव्य रचनाओं का अनुशीलन भी कर लिए। 2. विद्यार्थियों को भारतवर्ष की 17वीं से 19वीं शताब्दी के मध्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान हुआ। विद्यार्थी इस काल के साहित्यकारों एवं उनकी रचनाओं से परिचित हुए। 3. इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र उपन्यास, नाटक एवं एकांकी के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित हुए और साथ ही हिन्दी उपन्यास, नाटक एवं एकांकी से संबंधित प्रतिनिधि रचनाओं का अनुशीलन कर चुके होंगे। 4. इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी समसामयिक दुनिया में सोशल मीडिया की उपस्थिति तथा उसकी बढ़ती भूमिका से परिचित हुए। सोशल मीडिया के प्रयोग और उसमें सहभागिता को लेकर जिस सजगता एवं सावधानी की जरूरत है, उसकी उन्हें बहुविध जानकारी प्राप्त हुई। सोशल मीडिया की सामाजिक एवं शैक्षिक भूमिका के मद्देनजर इसके वैधानिक उपयोगिता एवं अनुप्रयोग को समझ सके। सूचना-तंत्र एवं तकनीकी-नियमों से सम्बन्धित कानूनों की जानकारी प्राप्त करने के अतिरिक्त विद्यार्थी इस नए माध्यम की सीमाओं और इसके लाभ-हानि सम्बन्धी विवेचन-विश्लेषण से भी अवगत हुए। 5. इस पत्र द्वारा विद्यार्थियों के आनुभाविक संवेदन एवं उनकी कल्पनाशक्ति सुदृढ़ हुई। वे कला-शिल्प के बहुआयामी स्वरूप से परिचित हुए तथा इन क्षेत्रों से जुड़े शाब्दिक प्रत्ययों एवं भाषिक अवयवों को भली-भाँति जानने का मौका मिला। हिन्दी भाषा की शब्द-शक्ति, शब्दार्थ-सम्बन्ध, भाषिक अलंकरण आदि को जानने का अवसर मिला तथा वे साहित्य की विविध विधाओं के व्यावहारिक अध्ययन की

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

	चित्रकला, मूर्ति कला, फोटोग्राफी, इन्स्टालेशन, नृत्य-गीत संगीत, कविता, कहानी, नाटक, संस्मरण एवं रिपोर्ताज रचना में समर्थ हो सकेंगे। पत्रकारिता, दूरदर्शन के समाचार और धारावाहिक के साथ ही फिल्म संवाद लेखन की कला में पारंगत हो सकेंगे।	प्रवृत्ति स्वयं में विकसित कर लिए। साथ ही आज के सूचना-तंत्र को समेकित करती विभिन्न संचार-प्रणाली में भाषा-अनुप्रयोग के बहुविध विधानों को जानने-समझने का सुअवसर मिला।
तृतीय सत्र		
चतुर्थ सत्र		
पंचम सत्र		
षष्ठ सत्र		
सप्तम सत्र		
अष्टम सत्र		

पाठ्यक्रमों के नाम और उनके कूट नाम:

1. हिंदी प्रतिष्ठा (Hindi Major) : **HIN-CC**
2. हिंदी सामान्य (Hindi Minor) : **HIN-MC**
3. अंतर अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम (Multidisciplinary Course) : **HIN-MD**
4. योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम (Ability Enhancement Course) : **HIN-AE**
5. कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course) : **HIN-SE**
6. मूल्यपरक पाठ्यक्रम (Value-Added Course) : **VAC**

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

तीन वर्षीय स्नातक/ चार वर्षीय हिंदी स्नातक (प्रतिष्ठा)/ शोध के साथ चार वर्षीय हिंदी स्नातक (प्रतिष्ठा) के लिए पाठ्यक्रम संरचना

NCrF Credit Level	क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक	क्रेडिट	कुल क्रेडिट
4.5			**प्रथम सत्र**			
	1.	**HIN-CC-1110**	हिन्दी साहित्य: आदिकाल से भक्तिकाल (इतिहास एवं रचनाएँ)	100	4	20
	2.	**HIN-MC-1110**	हिंदी सामान्य	100	4	
	3.	**HIN-MD-1110**	राष्ट्रीय चेतना की कविता	80	3	
	4.	**HIN-AE-1110**	लेखन कौशल	100	4	
	5.	**SEC 1***	हिंदी शिक्षण	80	3	
	6.	**VAC 1****	अन्य विभागों द्वारा तैयार की जायेगी। विद्यार्थी अपने पसंद के विषय में तैयार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	50	2	
			द्वितीय अत्र			
	1.	**HIN-CC-1120**	रीतिकाल : इतिहास एवं रचनाएँ	100	4	20
	2.	**HIN-MC-1210**	गद्य साहित्य : कहानी एवं उपन्यास	100	4	
	3.	**HIN-MD-1210**	साहित्य और सिनेमा	80	3	
	4.	**HIN-AE-1210**	पटकथा तथा संवाद लेखन	100	4	
	5.	**SEC 2***	सृजनात्मक लेखन	80	3	
	6.	**VAC 2****	अन्य विभागों द्वारा तैयार की जायेगी। विद्यार्थी अपने पसंद के विषय में तैयार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	50	2	

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

	प्रथम एवं द्वितीय सत्र में 40 क्रेडिट अंक प्राप्त करने वाला कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे उक्त विषय में स्नातक प्रमाण पत्र की उपाधि दी जाएगी, बशर्ते उसे इन दो सत्रों में संचालित कौशल आधारित पाठ्यक्रम के 6 क्रेडिट के अतिरिक्त उसे व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4 क्रेडिट वाला प्रशिक्षण / समर टर्म पूरा करना है।					
5.0	**तृतीय सत्र**					
	1.	**HIN-CC-2310**			4	20
	2.	**HIN-CC-2320**			4	
	3.	**HIN-MC-2310**			4	
	4.	**HIN-MD-2310**			3	
	5.	**SEC 3***			3	
	6.	**VAC 3****			2	
	चतुर्थ सत्र					
	1.	**HIN-CC-2410**			**4**	**20**
	2.	**HIN-CC-2420**			4	
	3.	**HIN-CC-2430**			4	
	4.	**HIN-CC-2440**			4	
	5.	**HIN-MC-2410**			4	
	चतुर्थ सत्र के समाप्त होने के पश्चात 80 क्रेडिट अंक प्राप्त करने वाला कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे उक्त विषय में स्नातक डिप्लोमा की उपाधि दी जाएगी, बशर्ते उसे इन दो वर्षों में व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4 क्रेडिट वाला प्रशिक्षण / समर टर्म को पूरा करना होगा।					
	पंचम सत्र					
	1.	**HIN-CC-3510**			**4**	
	2.	**HIN-CC-3520**			4	

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

5.5	**3.**	**HIN-CC-3530**			4	20
	4.	**HIN-CC-3540**			2	
	5.	**HIN-MC-3510**			4	
	6.	**INT-CO-0010**	**प्रशिक्षण / इंटर्नशिप**		2	
	षष्ठ सत्र					
	1.	**HIN-CC-3610**			**4**	20
	2.	**HIN-CC-3620**			4	
	3.	**HIN-CC-3630**			4	
	4.	**HIN-CC-3640**			4	
	5.	**HIN-MC-3610**			4	
	षष्ठ सत्र अथवा तीन वर्ष की पढ़ाई पूर्ण होने के पश्चात 120 क्रेडिट अर्जित करने वाला कोई छात्र यदि पाठ्यक्रम से निकास लेना चाहे तो उसे स्नातक की उपाधि प्रदान की जायेगी।					
6.0	**सप्तम सत्र**					
	1.	**HIN-CC-4710**			**4**	20
	2.	**HIN-CC-4720**			4	
	3.	**HIN-CC-4730**			4	
	4.	**HIN-CC-4740**			4	
	5.	**HIN-MC-4710*****	**शोध प्रविधि**		4	
	अष्टम सत्र					
	1.	**HIN-CC-4810**			**4**	20
	2.	**HIN-CC-4820**			4	
	3.	**HIN-CC-4830**			4	

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

	4.	**HIN-CC-4840**			4	
	5.	**HIN-MC-4810*** **	**शोध प्रकाशन नैतिकता**		4	
	कुल क्रेडिट					**160**

***कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course) के लिए कूट नाम : HIN-SE- 0010, HIN-SE- 0020 तथा HIN-SE- 0030 होगा।**

**** अन्य विभागों द्वारा तैयार की जायेगी। विद्यार्थी अपने पसंद के विषय में तैयार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।**

***** हिंदी में परियोजना / शोध प्रबंध के लिए कूट नाम : HIN-RP-0010 होगा।**

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

प्रथम सत्र	व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
HIN-CC-1110	क्रेडिट	: 4
हिंदी साहित्य : आदिकाल से भक्तिकाल (इतिहास एवं रचनाएँ)	पूर्णांक	: 100 अंक
	अभ्यन्तर	: 20 अंक
	सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह पत्र प्रथम सत्र (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों के लिये हिन्दी साहित्य के इतिहास के आदिकाल एवं मध्यकाल के सम्यक् ज्ञान से सम्बन्धित है। इसमें विद्यार्थियों से साहित्येतिहास के आदिकाल की युगीन परिस्थितियों, प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवियों के बारे में जानकारी अपेक्षित है।

इकाई 1 : **आदिकाल:** हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्य का इतिहास: काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण, आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ।

भक्तिकाल: भक्तिकाल की पृष्ठभूमि; परिस्थितियाँ; वर्गीकरण तथा सामान्य प्रवृत्तियाँ, निर्गुण एवं सगुण काव्यधाराओं की ज्ञानाश्रयी, प्रेमाश्रयी, कृष्णाश्रयी तथा रामाश्रयी काव्यधाराओं का परिचय तथा विशेषताएँ।

व्याख्यान -12

इकाई 2 : **क. चंदवरदाई :** (पाठ्य पुस्तक: आदिकालीन काव्य – सं. डॉ. वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन)

अथ पद्मावती समय : प्रारंभ से 10 (दस) पद।

आलोचना: पृथ्वीराज रासो का काव्य-सौन्दर्य, रासो की प्रामाणिकता, अथ पद्मावती समय का काव्य-सौन्दर्य।

ख. अमीर खुसरो : (पाठ्य पुस्तक: अमीर खुसरो: व्यक्तित्व और कृतित्व – परमानन्द पांचाल)

- कव्वाली- घ (1)
- दोहे – च; 5 दोहे :– (1) गोरी लोने (2) खुसरो रैन (3) देख मैं (4) चकवा-चकवी (5) सेज सुनी

आलोचना: अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय, खुसरो की पहेलियों का वैशिष्ट्य, आदिकालीन साहित्य को खुसरो का योगदान।

व्याख्यान -12

इकाई 3 : (पाठ्य पुस्तकः प्राचीन काव्य संग्रह; सम्पा.- राजदेव सिंह; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।)

क. कबीर :

पाठांश: प्रारम्भ के पाँच सबद ।

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

आलोचना : कबीर की भक्ति ; समाज-चेतना ।

ख. जायसी :

पाठांश : उपसंहार खण्ड

आलोचना : जायसी का काव्य-वैभव ; सूफी काव्य परम्परा और पद्मावत । व्याख्यान -12

इकाई 4 :

क. सूरदासः

पाठ्य पुस्तकः प्राचीन काव्य संग्रह; सम्पा.- राजदेव सिंह; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

पाठांश : विनय के पद - 1, 5 तथा भ्रमरगीत प्रसंग- पद संख्या: 3,4,5,6,7 तथा 8 ।

आलोचना : सूर की भक्ति-भावना ; वात्सल्य ।

ख. तुलसीदास :

पाठ्यपुस्तक : काव्य-वैभव : सं. दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन

पाठांश : समस्त पद ।

आलोचना : काव्यगत विशेषताएँ, समन्वय- भावना । व्याख्यान -12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की प्रमुख समस्याओं, आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य की जानकारी प्राप्त कर चुके होंगे और चंदबरदाई, अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास और तुलसीदास की प्रतिनिधि रचनाओं से परिचित हो चुके होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14 -14 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे । 14x4= 56

2. इकाई 2, 3 तथा इकाई 4 से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे । 8 x3 = 24

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि ।

सहायक ग्रन्थः

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आ. रामचन्द्र शुक्ल ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र ।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा ।
4. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त ।
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी ।
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह ।

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

7. हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

प्रथम सत्र	व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
	क्रेडिट	: 4
HIN-MC-1110	पूर्णांक	: 100 अंक
	अभ्यन्तर	: 20 अंक
सामान्य हिंदी	सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह पत्र प्रथम सत्र (माइनर) के विद्यार्थियों के लिये साहित्येतिहास के विभिन्न कालों के सम्यक ज्ञान के साथ-साथ साहित्य की अन्य विधाओं एवं व्याकरण से सम्बंधित है। इसमें विद्यार्थी साहित्येतिहास के विभिन्न कालों की परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे तथा कविता, कहानी और व्याकरण के ज्ञान से भी लाभान्वित होंगे।

इकाई 1 : हिंदी साहित्य का इतिहास: सामान्य परिचय ; आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल का सामान्य परिचय (उद्भव और विकास)। व्याख्यान -12

इकाई 2 : **कविता :**

- कबीर : पाठ्य पुस्तक : कबीर ग्रंथावली, संपादक : डॉ. श्यामसुन्दर दास
  पाठ्य अंश : साखी संख्या 1 से 10 तक गुरुदेव को अंग।
- सूरदास : पाठ्य पुस्तक: सुरसारसार, संपादक : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
  पाठ्य अंश: गोकुल लीला, पद संख्या : 7, 18, 19, 20, 21।
- तुलसी : पाठ्य पुस्तक : कवितावली, गीता प्रेस, गोरखपुर
  पाठ्य अंश : बाल काण्ड, पद संख्या : 1, 3, 4, 5, 7।

व्याख्यान- 12

इकाई 3: **कहानी :**

- प्रेमचंद : सवा सेर गेहूँ
- वापसी : उषा प्रियम्बदा
- मोहन राकेश : मलवे का मालिक

(आलोचना : पठित कहानियों की समीक्षा एवं कहानीकारों की कहानी कला।)

व्याख्यान – 12

इकाई 4: **हिंदी व्याकरण और रचना:** लिंग निर्णय, वाचन, काल, वाक्य-शुद्धि, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, संधि, समास, वर्तनी शुद्धि-अशुद्धि, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, पत्र-लेखन, निबंध-लेखन।
(निबंध के लिए विषय : विज्ञान से सम्बंधित विषय, पर्यावरण सम्बन्धी विषय, साहित्य से सम्बंधित विषय, सामाजिक समस्या से सम्बंधित विषय तथा अरुणाचल प्रदेश से सम्बंधित विषय।)

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान-12

उपलब्धियां: इस पत्र के अध्ययन के द्वारा हिंदी प्रथम सत्र (माइनर) के विद्यार्थी साहित्य इतिहास के विकास क्रम से परिचित हुए। इस पत्र में विद्यार्थी हिंदी के प्रमुख कवियों की रचनाओं का अध्ययन किए। इसके साथ ही कुछ प्रमुख कहानियों का भी अध्ययन किए। हिंदीतर विषय के छात्र व्याकरण के अध्ययन से भाषा सम्बन्धी त्रुटियों को सुधार का पाए।

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14 -14 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 14x4= 56

2. इकाई 2 तथा 3 एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 8 x2 = 16

3. इकाई 4 से निबंध-लेखन और पत्र-लेखन को छोड़कर शेष में से चार-चार अंक के दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 4x2=8

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आ. रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा।
4. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी।
5. कबीर विजय की भाषा : डॉ. सुखदेव सिंह।
6. सूरदास : आ. रामचन्द्र शुक्ल।
7. सुर साहित्य : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
8. तुलसी और उनका युग : डॉ. राजपति दीक्षित।
9. गोस्वामी तुलसीदास : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
10. कहानी नयी कहानी : डॉ. नामवर सिंह।
11. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश।
12. हिंदी व्याकरण और रचना : वायुनंदन प्रसाद।
13. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु ।

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान	: 3 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 3
पूर्णांक	: 80 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 60 अंक

प्रथम सत्र

HIN-MD-1110

राष्ट्रीय चेतना की कविता

उद्देश्य : हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना को प्रतिध्वनित करती असंख्य कविताएँ हैं। इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना की कविताओं के अध्ययन से दृढ़ राष्ट्र भाव का विकास हो सकेगा।

इकाई – 1:

राष्ट्रीय चेतना : परिभाषा और स्वरूप, राष्ट्रीय चेतना की कविता का तात्विक विवेचन, राष्ट्रीय चेतना की कविता में देश प्रेम के विविध आयाम, हिंदी साहित्य के विविध युगों में राष्ट्रीय चेतना का विकास ।

व्याख्यान- 12

इकाई – 2: क. भारत वीरता -	भारतेंदु हरिश्चंद्र	
ख. कर्मवीर –	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	
ग. नर हो ना निराश करो मन को –	मैथिलीशरण गुप्त	
		व्याख्यान- 12
इकाई- 3 : क. झांसी की रानी –	सुभद्रा कुमारी चौहान	
ख. वह देश कौन सा है –	रामनरेश त्रिपाठी	
ग. . पुष्प की अभिलाषा –	माखनलाल चतुर्वेदी	व्याख्यान- 12

(निर्देश: इकाई 2 तथा 3 तथा के लिए आलोचना बिंदु: कवियों की काव्य-कला, कविताओं का अनुभूति पक्ष, काव्य-सौष्ठव तथा उद्देश्य।)

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र हिन्दी राष्ट्रीय चेतना की कविता के विविध पहलुओं से अवगत हो चुके होंगे और राष्ट्रीय चेतना की कविता लिखने वाले प्रतिनिधि कवियों की प्रमुख कविताओं का अनुशीलन कर लिया होगा।

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14-14 अंकों का एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x3= 45

2. इकाई 2 तथा 3 से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 7.5 x2 = 15

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ-

1. अतीत के हंस : मैथिलीशरण गुप्त, प्रभाकर श्रोत्रिय

2. जयशंकर प्रसाद : नंद दुलारे वाजपेयी

3. भारतेंदु हरिश्चंद्र : रामविलास शर्मा

4. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त: रामधारी सिंह दिनकर

5. हरिऔध और उनका साहित्य : मुकुंददेव शर्मा

6. रामनरेश त्रिपाठी : इंदरराज वैद 'अधीर'

7. राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य : वीरभारत तलवार

8. भारतेंदु हरिश्चन्द्र : मदन गोपाल

9. भारतेंदु हरिश्चन्द्र : ब्रजरत्न दस

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

प्रथम सत्र

HIN-AE-1110

लेखन कौशल

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : विद्यार्थियों में भावों और विचारों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित हो सकेगी। व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेंगे। विद्यार्थी लेखन कला सीख सकेंगे।

इकाई- 1 : लेखन कौशल : स्वरूप एवं सिद्धांत, लेखन कौशल का महत्व एवं विशेषताएँ।

व्याख्यान – 10

इकाई- 2: लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, नाटक-एकांकी, समाचार, पत्र लेखन।

व्याख्यान – 10

इकाई- 3: लेखन कौशल: भाषा प्रयोग, शब्द चयन, व्याकरणिक कोटियाँ, रचनात्मक लेखन के लिए आवश्यक गुण। व्याख्यान – 10

इकाई- 4 : लेखन प्रशिक्षण : विविध साहित्यिक विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक पक्ष, विभिन्न विधाओं में लेखन का अभ्यास। व्याख्यान – 10

उपलब्धियां - इस पत्र द्वारा विद्यार्थी अपने भावों को विचार में रखने तथा उसे लेखन के बहुविध रूपों में प्रस्तुत करना सीख पाये। इस पत्र के द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दी लेखन के महत्त्वपूर्ण पक्षों से अवगत कराया गया तथा हिन्दी लेखन सम्बन्धी व्यावहारिक अभ्यास कराए गए। इस पत्र द्वारा विद्यार्थी व्याकरणिक रूप से शुद्ध तथा अच्छी हिन्दी लेखन में कुशलता प्राप्त करने में सफल हुए।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे । 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

सहायक ग्रंथ :

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

1. रचनात्मक लेखन : सं. रमेश गौतम
1. हिंदी वाक्य विन्यास : सुधा कश्यप
2. संचार भाषा हिंदी : सूर्यप्रसाद दीक्षित
3. लेखन कला और रचना कौशल : परिकल्पना प्रकाशन

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

प्रथम सत्र

SEC-1

हिंदी शिक्षण

व्याख्यान	: 3 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 3
पूर्णांक	: 80 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 60 अंक

उद्देश्यः सामाजिक, व्यावसायिक, कार्यालयी तथा शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के भाषा-कौशल में निखार लाना। विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं एवं साक्षात्कार हेतु आत्मविश्वास उत्पन्न करना। विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल विकसित करना। भाषा-ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।

इकाईः 1 **आलेख रचना**

सम्पादक के नाम पत्र, सम्पादकीय लेखन, स्तम्भ लेखन, पत्र-पत्रिकाओं के लिये आलेख रचना ; आकाशवाणी एवं दूरदर्शन हेतु वार्ता, साक्षात्कार एवं परिचर्चा तैयार करने की विधियाँ।

व्याख्यान – 10

इकाईः 2 **व्यावहारिक लेखन**

कार्यालयी पत्राचार; प्रेस विज्ञप्ति; सूचना ; ज्ञापन; कार्यसूची; कार्यवृत्त; प्रतिवेदन; सम्पादन; संक्षेपण; आत्मविवरण तथा ई-मेल लेखन, फेसबुक, ब्लॉग और ट्वीटर लेखन।

व्याख्यान – 10

इकाईः 3 **सृजनात्मक लेखन**

कविता, कहानी, नाटक तथा एकांकी, निबंध, यात्रावृत का स्वरूप विवेचन।

व्याख्यान – 10

उपलब्धियां - हिंदी शिक्षण से सम्बन्धित इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी भाषा के व्यावहारिक स्वरूप तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र लेखन से जुड़ी बहुविध जानकारियों से परिचित हुए। हिन्दी भाषा की बढ़ती लोकप्रियता और बढ़ते अन्तरराष्ट्रीय महत्त्व के सन्दर्भ में हिन्दी भाषा आधारित कौशल विकास से विद्यार्थी अवगत हो सके। विशेषकर आलेख रचना के अतिरिक्त व्यावहारिक एवं सर्जनात्मक लेखन से जुड़ी बारीकियों को समझ सके।

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15X5= 45
2. प्रत्येक इकाई से 5-5 अंकों की 3 टिप्पणियां पूछी जायेगीं। टिप्पणियों के लिये विकल्प भी रहेंगे। 5X3= 15

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रन्थः

1. अच्छी हिन्दी : रामचन्द्र वर्मा।
2. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण और रचना : हरदेव बाहरी।
3. हिन्दी भाषा :डॉ. भोलानाथ तिवारी।
4. रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर।
5. टेलीविजनः सिद्धान्त और टैकनिक :मथुरादत्त शर्मा।
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. दंगल झाल्टे।
7. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग : गोपीनाथ श्रीवास्तव, राजकमल, दिल्ली।
8. टेलीविजन लेखन : असगर वजाहत / प्रेमरंजन ; राजकमल, दिल्ली।
9. रेडियो नाटक की कला : डॉ. सिद्धनाथ कुमार, राजकमल, दिल्ली।
10. रेडियो वार्ता-शिल्प : सिद्धनाथ कुमार, राजकमल, दिल्ली

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

द्वितीय सत्र

HIN-CC-1210

रीतिकाल: इतिहास एवं रचनाएँ

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : विद्यार्थियों को भारतवर्ष की 17वीं से 19वीं शताब्दी के मध्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान होगा। विद्यार्थी इस काल के साहित्यकारों एवं उनकी रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 1: रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां; रीति की अवधारणा और रीति काव्य; रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं : सामान्य परिचय, रीतिकालीन रचनाएं, रचनाकार एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन काव्य भाषा।

व्याख्यान-12

इकाई 2: (क) केशव:

पाठ्य पुस्तक: कविप्रिया – प्रिया प्रकाशन, ला. भगवानदीन

पाठांश : तीसरा प्रभाव, छंद संख्या 1,2,4 तथा 5।

आलोचना: कविप्रिया का काव्य सौन्दर्य, केशव की अलंकार-योजना।

(ख) मतिराम:

पाठ्य पुस्तक: रीतिकाव्य संग्रह, डॉ. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन।

पाठांश: प्रारंभ से पाँच पद

आलोचना: रीतिकालीन कवियों में मतिराम का स्थान, मतिराम की काव्य-कला।

व्याख्यान- 12

इकाई 3 : (क) सेनापति:

पाठ्य पुस्तक: रीतिकाव्य संग्रह, डॉ. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन।

पाठांश: पद संख्या :- 1,2,5,9 तथा 10।

आलोचना: शृंगारिकता, काव्यगत विशेषताएँ।

(ख) बिहारी :

पाठ्य पुस्तक : बिहारी रत्नाकर; सम्पादक: जगन्नाथदास रत्नाकर।

पाठ्य दोहे- 1, 2, 5, 6, 7,15,19, 20, 21 तक।

आलोचना: बिहारी की बहुज्ञता, सतसई परम्परा में बिहारी का स्थान।

व्याख्यान- 12

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

इकाई 4 : (क) घनानन्द:

पाठ्य पुस्तक : घनानन्द कवित्त; संपा.- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पाठांश : पद संख्या 1 से 5 तक।

आलोचना : प्रेम वर्णन, भाषा एवं काव्य कला।

(ख) भूषण :

पाठ्य पुस्तक : रीति काव्य धारा; संपा – रामचन्द्र तिवारी

पाठ्य छंद - 9, 10, 11, 12, 15, 24।

आलोचना: वीरता की कविता, भाषा एवं काव्य कला।

व्याख्यान - 12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र रीतिकालीन हिन्दी साहित्य की जानकारी प्राप्त कर चुके होंगे और केशव, मतिराम, सेनापित, बिहारी, घनानन्द और भूषण जैसे प्रमुख रीतिकालीन कवियों की प्रतिनिधि काव्य रचनाओं का अनुशीलन कर चुके होंगे।

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14 -14 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 14x4= 56
2. इकाई 2, 3 तथा 4 से एक-एक व्याख्यांश पूछा जायेगा, जिनके विकल्प भी होंगे। 8 x3 = 24

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आ. रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा।
4. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
5. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह
6. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहर लाल गौड़
7. बिहारी सतसई : जगन्नाथ दास रत्नाकर
8. रीतिकालीन काव्य सिद्धांत : डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
9. भूषण और उनका साहित्य : राजमल बोरा
10. शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

द्वितीय सत्र

HIN-MC-1210

गद्य साहित्य : उपन्यास, नाटक एवं एकांकी

व्याख्यान	: प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह प्रश्न पत्र द्वितीय सत्र में हिन्दी सामान्य (माइनर) के परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र चार इकाइयों में विभक्त है। इस प्रश्नपत्र में परीक्षार्थियों से गद्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी अपेक्षित है। इस पत्र में उपन्यास, नाटक तथा एकांकी अध्ययन हेतु निर्धारित की गयी हैं।

इकाईः 1 हिंदी गद्य का इतिहास ; उपन्यास : अर्थ एवं स्वरूप; उपन्यास के तत्व; हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास। नाटक : अर्थ एवं स्वरूप; नाटक के तत्व; हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास। एकांकी उद्भव और विकास तथा एकांकी के तत्व।

व्याख्यान -12

इकाई : 2 **उपन्यासः**

निर्मला : प्रेमचंद

आलोचना : प्रेमचंद की उपन्यास कला, पठित उपन्यास का प्रतिपाद्य, पठित उपन्यास की समीक्षा एवं चरित्र चित्रण।

व्याख्यान -12

इकाईः 3 **नाटकः**

पाठ्य नाटक : अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिश्चंद

आलोचना : पठित नाटक की समीक्षा, प्रतिपाद्य एवं भारतेंदु हरिश्चंद की नाट्यकला।

व्याख्यान -12

इकाई : 4 **एकांकी :**

पाठ्य एकांकी : औरंगजेब की आखिरी रात – डॉ. रामकुमार वर्मा

आलोचना : पठित एकांकी की समीक्षा एवं प्रतिपाद्य।

व्याख्यान -12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र उपन्यास, नाटक एवं एकांकी के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित हो चुके होंगे और हिन्दी उपन्यास, नाटक एवं एकांकी से संबंधित प्रतिनिधि रचनाओं का अनुशीलन कर चुके होंगे।

निर्देशः

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। चारो प्रश्नों के लिये विकल्प भी रहेंगे। 15X4= 60
2. पाठ्यक्रम की इकाई 2, 3 तथा 4 से एक-एक गद्यांश व्याख्या हेतु दिया जायेगा। प्रत्येक व्याख्यांश के लिये विकल्प भी होंगे। 8X3 = 24

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

संदर्भ ग्रन्थः

1. प्रेमचन्द और उनका युग : रामविलास शर्मा
2. कहानीः नयी कहानी : डॉ. नामवर सिंह
3. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद : डॉ. त्रिभुवन सिंह
4. कुछ कहानियां : कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सत्येन्द्रकुमार तनेजा
7. हिन्दी गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
8. हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. उपन्यास का शिल्प : गोपाल राय
10. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा : परमानंद श्रीवास्तव

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

द्वितीय सत्र

HIN-MD-1210

साहित्य और सिनेमा

व्याख्यान	: 3 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 3
पूर्णांक	: 80 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 60 अंक

उद्देश्य : इस पाठ में साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध को समझा जा सकेगा । हिंदी सिनेमा के इतिहास से विद्यार्थी परिचित होंगे। हिंदी सिनेमा के विकास में हिंदी साहित्य के योगदान को रेखांकित किया जाएगा । विद्यार्थी सिनेमा की कला और हिंदी साहित्य में निहित कलात्मक तत्वों की पहचान कर सकेंगे। पटकथा लेखन और फिल्म निर्माण की कला के बारे में जान सकेंगे। विद्यार्थी अपने अर्जित ज्ञान का उपयोग निर्माता, लेखक और अभिनेता बनने में कर सकेंगे।

इकाई – 1 : साहित्य का अर्थ : क्षेत्र विस्तार

साहित्य की विधाएँ : कहानी, उपन्यास और नाटक, निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रा वृतांत, जीवनी आदि , साहित्य के उपकरण : शिल्प और संवेदना । व्याख्यान – 12

इकाई – 2 : हिंदी सिनेमा का इतिहास, हिंदी सिनेमा में प्रमुख पौराणिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक कृतियों का उपयोग । व्याख्यान – 12

इकाई - 3 : प्रमुख हिंदी साहित्यकारों की कृतियाँ और उन पर बनी फिल्मों की समीक्षा । व्याख्यान – 12

उपलब्धियां - इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी समसामयिक दुनिया में सोशल मीडिया की उपस्थिति तथा उसकी बढ़ती भूमिका से परिचित हुए। सोशल मीडिया के प्रयोग और उसमें सहभागिता को लेकर जिस सजगता एवं सावधानी की जरूरत है, उसकी उन्हें बहुविध जानकारी प्राप्त हुई। सोशल मीडिया की सामाजिक एवं शैक्षिक भूमिका के मद्देनजर इसके वैधानिक उपयोगिता एवं अनुप्रयोग को समझ सके। सूचना-तंत्र एवं तकनीकी-नियमों से सम्बन्धित कानूनों की जानकारी प्राप्त करने के अतिरिक्त विद्यार्थी इस नए माध्यम की सीमाओं और इसके लाभ-हानि सम्बन्धी विवेचन-विश्लेषण से भी अवगत हुए।

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा । प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा । 15x3= 45

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x3= 15

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ-

1. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक : हर्षदेव
2. जनमाध्यम : पीटर गोल्डिंग
3. जनमाध्यम सैद्धांतिकी : जगदीश्वर चतुर्वेदी
4. सिनेमा और साहित्य : हरीश कुमार
5. 'वसुधा' पत्रिका : फिल्म विशेषांक
6. सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रज़ा

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

द्वितीय सत्र

HIN-AE-1210

पटकथा तथा संवाद लेखन

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : इस पाठ के अध्ययन से विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमता का विकास होगा। विद्यार्थियों में रचनात्मक प्रतिभा का स्फुरण होगा और उनकी कल्पनाशक्ति विकसित होगी। कहानी, कविता, उपन्यास के दृश्य रूपान्तरण करने की कला का ज्ञान होगा। संवाद रचना कौशल का विकास होगा। आधुनिक तकनीक के साथ पटकथा के संवादों में सामंजस्य स्थापित करने और समन्वय की कला का विकास होगा। इस पाठ से प्राप्त ज्ञान के आधार पर पटकथा लेखन के क्षेत्र में योगदान देने में समर्थ होंगे। विज्ञापन के क्षेत्र की दृष्टि से भी विद्यार्थी समर्थ हो सकेंगे।

इकाई 1: पटकथा का अर्थ और परिभाषा, पटकथा लेखन में प्रतिभा, कल्पना और अभ्यास/ परिश्रम का महत्व।

व्याख्यान – 12

इकाई 2 : कथा और पटकथा का अन्तर, संवाद का अर्थ और पटकथा से संवाद का संबंध।

व्याख्यान – 12

इकाई 3: पटकथा लेखन का स्वरूप : प्रस्थान बिंदु अर्थात प्रस्तावना, संघर्ष और समाधान। पटकथा लेखन सूत्र अर्थात प्रारंभ, मध्यभाग और अंत।

व्याख्यान – 12

इकाई 4: पटकथा और संवाद लेखन : नाट्यशास्त्र के संदर्भित अंश का अध्ययन पटकथा के फिल्मांकन की तकनीक। पटकथा-संवाद और संगीत ध्वनि का अंतर्संबंध । व्याख्यान – 12

उपलब्धियां - इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सिनेमा लेखन में पटकथा एवं संवाद लेखन के बारे में भली-भाँति परिचित हुए। पटकथा लेखन से जुड़े तकनीकी ज्ञान के अतिरिक्ति विद्यार्थी पटकथा लेखन में संवाद-अदायगी के कौशल तथा अभिनय-क्षमता से रू-ब-रू हो सके। पटकथा एवं संवाद-लेखन के रंगमंचीयता से सम्बन्ध के अतिरिक्त विद्यार्थियों को किसी पटकथा के आरंभ, मध्य एवं अंत से जुड़ी जरूरी पक्षों एवं पहलुओं को जानने का सुअवसर मिला। इस पत्र द्वारा उन्हें हिन्दी भाषा के साहित्यिक उपादानों तथा उनके पटकथा एवं संवाद-लेखन से अन्तर्सम्बन्धों की भी वास्तविक जानकारी एवं ज्ञान मिल सका है।

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ-

1. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी,
2. पटकथा कैसे लिखें : राजेद्र पाण्डेय
3. कथा पटकथा : मन्नू भंडारी
4. पटकथा लेखन : असगर वजाहत
5. पटकथा लेखन : रामशरण जोशी

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान	: 3 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 3
पूर्णांक	: 80 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 60 अंक

द्वितीय सत्र

SEC 2

सृजनात्मक लेखन

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में प्रकृति और परिवेश को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी। इस पाठ के द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार आएगा और उनकी कल्पनाशक्ति विकसित होगी। कला, साहित्य,विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में मौलिक उपस्थापना करने में सक्षम हो सकेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आयामों का उद्घाटन कर सकेंगे । चित्रकला, मूर्ति कला, फोटोग्राफी, इन्स्टालेशन, नृत्य-गीत संगीत, कविता, कहानी, नाटक, संस्मरण एवं रिपोर्ताज रचना में समर्थ हो सकेंगे । पत्रकारिता, दूरदर्शन के समाचार और धारावाहिक के साथ ही फिल्म संवाद लेखन की कला में पारंगत हो सकेंगे।

इकाई -1 : सृजनात्मक लेखन: अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया:विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्रः साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ; जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति ।

व्याख्यान – 12

इकाई - 2 : (क) सृजनात्मक लेखनः भाषा-संदर्भ

अर्थ निर्मित के आधारः शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग , नव्य-प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि; भाषा की भंगिमाए, भाषिक संदर्भः क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष ।

(ख) सृजनात्मक लेखनः रचना-कौशल विश्लेषण

रचना-सौष्ठवः शब्द-शक्ति , प्रतीक, बिम्ब, अलंकरण और वक्रताएँ। व्याख्यान – 12

इकाई - 3: विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

(क) कविताः संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक
(ख) कथासाहित्यः वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श
(ग) नाट्यसाहित्यः वस्तु, पात्र, परिवेश वं रंगकर्म
(घ) विविध गद्य-विधाएँ: निबंध, संस्मरण, व्यंग्य आदि
(ङ) बालसाहित्य की आधारभूत संरचना व्याख्यान – 12

19|06|2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

उपलब्धियां - इस पत्र द्वारा विद्यार्थियों के आनुभाविक संवेदन एवं उनकी कल्पनाशक्ति विस्तीर्ण हुई। वे कला-शिल्प के बहुआयामी स्वरूप से परिचित हुए तथा इन क्षेत्रों से जुड़े शाब्दिक प्रत्ययों एवं भाषिक अवयवों को भली-भाँति जानने का मौका मिला। हिन्दी भाषा की शब्द-शक्ति, शब्दार्थ-सम्बन्ध, भाषिक अलंकरण आदि को जानने का अवसर मिला तथा वे साहित्य की विविध विधाओं के व्यावहारिक अध्ययन की प्रवृत्ति स्वयं में विकसित कर सके। साथ ही आज के सूचना-तंत्र को समेकित करती विभिन्न संचार-प्रणाली में भाषा-अनुप्रयोग के बहुविध विधानों को जानने-समझने का सुअवसर मिला।

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x3= 45
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x3= 15

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ-

1. रचनात्मक लेखन : सं. रमेश गौतम
2. रचनात्मक लेखन : हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह
3. सृजनात्मक लेखन : राजेंद्र मिश्र

19/06/2023
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)